



सत्यमेव जयते

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 536]

No. 536]

नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 3, 2004/अग्रहायण 12, 1926

NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 3, 2004/AGRAHAYANA 12, 1926

प्रभारी

वि० एकक

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर, 2004

सं. 32/2004-सेवा कर

**सा.का.नि. 787(अ).**— केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम 1994 (1994 का 32) की धारा 93 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, माल परिवहन अभिकरण द्वारा माल वाहक गाड़ी में, सड़क द्वारा, माल के परिवहन के संबंध में किसी ग्राहक को प्रदान की गई करादेय सेवाओं पर, उक्त अधिनियम की धारा 66 के अधीन उद्ग्रहणीय उतने सेवाकर से छूट देती है, जितना की उक्त माल परिवहन अभिकरण द्वारा किसी भी ग्राहक से वसूल की जाने वाली कुल राशि के पच्चीस प्रतिशत पर संगणित सेवाकर की राशि से अधिक हो:

परंतु उक्त छूट ऐसी स्थिति में लागू नहीं होगी, यदि—

(i) केन्द्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय नियम, 2004 के अंतर्गत करादेय सेवाओं का प्रदान करने के लिए प्रयोग किए गए निवेश या पूंजीगत सामान पर कोई भी प्रत्यय लिया गया है; या

(ii) माल परिवहन अभिकरण द्वारा भारत सरकार में वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 12/2003-सेवाकर, तारीख 20 जून, 2003 (सा०का०नि० 503 (अ), तारीख 20 जून, 2003) में दी गई छूट का लाभ लिया है।

2. यह अधिसूचना 1 जनवरी, 2005 से प्रभावी होगी।

[फा. सं. 341/18/2004-टीआरयू (पार्ट)]

वि. शिवसुब्रमणियन, उप सचिव

**MINISTRY OF FINANCE****(Department of Revenue)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 3rd December, 2004

**No. 32/2004-Service Tax**

**G.S.R. 787 (E).**— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 93 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the taxable service provided by a goods transport agency to a customer, in relation to transport of goods by road in a goods carriage, from so much of the service tax leviable thereon under section 66 of the said Act, as is in excess of the service tax calculated on a value which is equivalent to twenty-five per cent. of the gross amount charged from the customer by such goods transport agency for providing the said taxable service:

Provided that this exemption shall not apply in such cases where –

- (i) the credit of duty paid on inputs or capital goods used for providing such taxable service has been taken under the provisions of the Cenvat Credit Rules, 2004; or
- (ii) the goods transport agency has availed the benefit under the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 12/2003-Service Tax, dated the 20th June, 2003 [G.S.R. 503 (E), dated the 20th June, 2003].

2. This notification shall come into force on the first day of January, 2005.

[F. No. 341/18/2004-TRU (Pt.)]

V. SIVASUBRAMANIAN, Dy. Secy.

**अधिसूचना**

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर, 2004

**सं. 33/2004-सेवा कर**

**सा.का.नि. 788(अ).**— केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम 1994 ( 1994 का 32) की धारा 93 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, माल परिवहन अभिकरण द्वारा किसी ग्राहक को प्रदान की गई सड़क द्वारा फल, सब्जी, अंडे या दूध के परिवहन से संबंधित करादेय सेवाओं पर, उक्त अधिनियम की धारा 66 को धीन उद्ग्रहणीय संपूर्ण सेवाकर से छूट देती है।

2. यह अधिसूचना 1 जनवरी, 2005 से प्रभावी होगी।

[फा. सं. 341/18/2004-टीआरयू (पार्ट)]

वि. शिवसुब्रमणियन, उप सचिव

## NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd December, 2004

## No. 33/2004-Service Tax

**G.S.R. 788 (E).**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 93 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the taxable service provided by a goods transport agency to a customer, in relation to transport of fruits, vegetables, eggs or milk by road in a goods carriage, from the whole of service tax leviable thereon under section 66 of the said Act.

2. This notification shall come into force on the first day of January, 2005.

[F. No. 341/18/2004-TRU (Pt.)]

V. SIVASUBRAMANIAN, Dy. Secy.

## अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर, 2004

## सं. 34/2004-सेवा कर

**सा.का.नि. 789(अ).**—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम 1994 ( 1994 का 32) की धारा 93 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, माल परिवहन अभिकरण द्वारा किसी मालवाहक गाड़ी में सड़क द्वारा माल के परिवहन के संबंध में किसी ग्राहक को प्रदान किए गए करादेय सेवाओं पर उक्त अधिनियम की धारा 66 के अधीन, उद्ग्रहणीय संपूर्ण सेवाकर से छूट देती है, यदि-

(i) किसी माल वाहन द्वारा सभी परेषण के परिवहन के संबंध में वसूल की गई कुल राशि एक हजार पाँच सौ रुपये से अधिक न हो ; या

(ii) माल वाहन द्वारा किसी अकेले परेषण का परिवहन के संबंध में वसूल की गई कुल राशि सात सौ पचास रुपये से अधिक न हो ;

स्पष्टीकरण: इस अधिसूचना में “अकेले परेषण ” का अर्थ है किसी माल पाने वाले को भेजा गया सभी माल जिसका माल परिवहन अभिकरण द्वारा किसी मालवाहक गाड़ी में सड़क द्वारा परिवहन किया गया हो।

2. यह अधिसूचना 1 जनवरी, 2005 से प्रभावी होगी ।

[फा. सं. 341/18/2004-टीआरयू (पार्ट)]

वि. शिवसुब्रमणियन, उप सचिव

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 3rd December, 2004

**No. 34/2004-Service Tax**

**G.S.R. 789(E).**— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 93 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the taxable service provided by a goods transport agency to a customer, in relation to transport of goods by road in a goods carriage, from the whole of service tax leviable thereon under section 66 of the said Act, where,-

- (i) the gross amount charged on consignments transported in a goods carriage does not exceed rupees one thousand five hundred; or
- (ii) the gross amount charged on an individual consignment transported in a goods carriage does not exceed rupees seven hundred fifty.

*Explanation.*- For the purposes of this notification, “an individual consignment” means all goods transported by a goods transport agency by road in a goods carriage for a consignee.

2. This notification shall come into force on the first day of January, 2005.

[F. No. 341/18/2004-TRU (Pt.)]

V. SIVASUBRAMANIAN, Dy. Secy.

**अधिसूचना**

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर, 2004

**सं. 35/2004-सेवा कर**

**सा.का.नि. 790(अ).**— केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम 1994 ( 1994 का 32) की धारा 94 की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सेवा कर नियम, 1994 का और संशोधन करते हुए, निम्नलिखित और नियम बनाती है, अर्थात:-

- (1) यह नियम सेवाकर (पांचवे संशोधन) नियम, 2004 के नाम से जाने जायेंगे ।
- (2) यह नियम तारीख 1 जनवरी, 2005 से प्रभावी होंगे ।
- (2) सेवाकर नियम, 1994 में,-

(I) नियम 2 में, उपनियम नियम (1) में, खंड (घ) में, उपखंड (iv) और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात निम्नलिखित उपखंड और प्रविष्टियां अंतः स्थापित की जायेंगी, अर्थात:-

“(v) माल परिवहन अभिकरण द्वारा सेवाएं प्रदान करने के संबंध में, जबकि माल भेजने वाला या माल पाने वाला निम्नलिखित हो,-

- (क) कोई भी कारखाना जो कि कारखाना अधिनियम 1948 (1948 का 63) में पंजीकृत है अथवा परिचालित है;
- (ख) कोई भी कंपनी जो कंपनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) के अंतर्गत स्थापित की गई हो;
- (ग) कोई भी कारपोरेशन जो किसी भी विधि के अंतर्गत स्थापित किया गया हो;
- (घ) कोई भी सोसायटी जो कि सोसायटी अधिनियम 1860 (1860 का 21) में अथवा भारत के किसी अन्य हिस्से में तत्समान अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत हो;
- (ङ) कोई भी कोऑपरेटिव सोसायटी जो किसी भी विधि के अंदर स्थापित हो;
- (च) कोई भी उत्पाद शुल्क के माल का व्यवहारी जो कि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क 1944 (1944 का 1) अथवा उसके अंतर्गत पंजीकृत हो; या
- (छ) किसी भी अधिनियम के अंतर्गत स्थापित या पंजीकृत कोई बॉडी कारपोरेट या पार्टनरशिप फर्म,

कोई भी व्यक्ति जो स्वयं या अपने एजेंट द्वारा माल वाहन में उक्त माल के सड़क द्वारा परिवहन का भाड़ा देता हो या जिसके द्वारा उक्त भाड़ा देय हो;”;

(II) नियम 4क में, उपनियम (1) में प्रथम परंतुक के पश्चात निम्नलिखित परंतुक अंतः स्थापित किया जायेगा, अर्थात:-

“परंतु ऐसी स्थिति में यदि करादेय सेवा प्रदाता माल परिवहन अभिकरण हो, जो कि ग्राहक को सड़क द्वारा माल वाहन में माल के परिवहन के संबंध में जारी किए गए यथास्थिति बीजक, बिल, चालान या ऐसा कोई भी प्रपत्र सम्मिलित करेंगे जो किसी भी नाम से जाना जाता हो, और जिसमें परेषण पत्र सं० और तारीख, माल का कुल वजन और इस उपनियम में वांछित अन्य सूचनाओं को प्रदर्शित करता हो।”;

(III) नियम 4क के पश्चात निम्नलिखित नियम अंतः स्थापित किया जायेगा, अर्थात:-

“4ख. परेषण पत्र जारी करना.- कोई भी माल परिवहन अभिकरण जो कि सड़क द्वारा माल वाहन में माल के परिवहन की सेवा प्रदान करता हो वह ग्राहक को परेषण पत्र जारी करेगा:

परंतु ऐसी स्थिति में जब माल परिवहन अभिकरण द्वारा माल वाहन में माल के परिवहन के संबंध में किसी करादेय सेवा पर अधिनियम की धारा 93 के अंतर्गत संपूर्ण छूट दी गई हो, माल परिवहन अभिकरण द्वारा परेषण पत्र जारी करना अनिवार्य नहीं होगा।

स्पष्टीकरण: इस नियम और नियम 4क के द्वितीय परंतुक में “परेषण पत्र” का अर्थ होगा माल परिवहन अभिकरण द्वारा माल की प्राप्ति पर माल के वाहन में सड़क द्वारा परिवहन के लिए जारी किया गया प्रपत्र जो संख्याकित हो और जिसमें माल के भेजने और पाने वाले का नाम, माल वाहन का पंजीकरण सं०, माल का विवरण, माल के भेजे जाने का मूल स्थान और गन्तव्य स्थान और सेवाकर देने हेतु उत्तरादायी व्यक्ति चाहे वो माल भेजने वाला, माल पाने वाला या माल परिवहन अभिकरण प्रदर्शित हो।”।

[फा. सं. 341/18/2004-टीआरयू (पार्ट)]

वि. शिवसुब्रमणियन, उप सचिव

**टिप्पण :** मूल अधिसूचना भारत के राजपत्र, असाधारण, में अधिसूचना सं० 2/1994-सेवाकर, तारीख 28 जून, 1994 [सा० का० नि० 546 (अ), तारीख 28 जून, 1994] द्वारा प्रकाशित हुई थी, एवं उसका अंतिम संशोधन भारत के राजपत्र, में प्रकाशित अधिसूचना सं० 3/2004-सेवाकर, तारीख 22 सितम्बर, 2004 [सा० का० नि० 633 (अ), तारीख 22 सितम्बर, 2004] द्वारा किया गया।

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd December, 2004

No. 35/2004-Service Tax

**G.S.R. 790 (E).**— In exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with sub-section (2) of section 94 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Service Tax Rules, 1994, namely :-

1. (1) These rules may be called the Service Tax (Fifth Amendment) Rules, 2004.

(2) They shall come into force on the first day of January, 2005.

2. In the Service Tax Rules, 1994,-

(I) in rule 2, in sub-rule (1), in clause (d), after sub-clause (iv), the following sub-clause shall be inserted, namely:-

“(v) in relation to taxable service provided by a goods transport agency, where the consignor or consignee of goods is,-

- (a) any factory registered under or governed by the Factories Act, 1948 (63 of 1948);
  - (b) any company established by or under the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
  - (c) any corporation established by or under any law;
  - (d) any society registered under the Societies Registration Act, 1860 (21 of 1860) or under any law corresponding to that Act in force in any part of India;
  - (e) any co-operative society established by or under any law;
  - (f) any dealer of excisable goods, who is registered under the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) or the rules made thereunder; or
  - (g) any body corporate established, or a partnership firm registered, by or under any law, any person who pays or is liable to pay freight either himself or through his agent for the transportation of such goods by road in a goods carriage;” ;
- (II) in rule 4A, in sub-rule (1), after the first proviso, the following proviso shall be inserted, namely:-
- “Provided further that in case the provider of taxable service is a goods transport agency, providing service to a customer, in relation to transport of goods by road in a goods carriage, an invoice, a bill or, as the case may be, a challan shall include any document, by whatever name called, which shall contain the details of the consignment note number and date, gross weight of the consignment and also contain other information as required under this sub-rule.”;
- (III) after rule 4A, the following rule shall be inserted, namely:-
- ‘4B. Issue of consignment note.- Any goods transport agency which provides service in relation to transport of goods by road in a goods carriage shall issue a consignment note to the customer:
- Provided that where any taxable service in relation to transport of goods by road in a goods carriage is wholly exempted under section 93 of the Act, the goods transport agency shall not be required to issue the consignment note.
- Explanation.-* For the purposes of this rule and the second proviso to rule 4A, “consignment note” means a document, issued by a goods transport agency against the receipt of goods for the purpose of transport of goods by road in a goods carriage, which is serially numbered, and contains the name of the consignor and consignee, registration number of the goods carriage in which the goods are transported, details of the goods transported, details of the place of origin and destination, person liable for paying service tax whether consignor, consignee or the goods transport agency.’.

[F. No. 341/18/2004-TRU (Pt.)]

V. SIVASUBRAMANIAN, Dy. Secy.

**Note:** The principal rules were notified vide notification no. 2/94-Service Tax dated the 28th June 1994 and published in the Gazette of India, Extraordinary vide number G.S.R.546 (E), dated the 28th June 1994 and were last amended vide notification No. 30/2004-Service Tax, dated the 22nd September, 2004 [G.S.R. 633 (E), dated the 22nd September, 2004].